मेरे दाता के दरबार में सब लोगो का खाता भजन लिरिक्स

मेरे दाता के दरबार में,
सब लोगो का खाता,
जो कोई जैसी करनी करता,
वैसा ही फल पाता,
मेरें दाता के दरबार में,
सब लोगो का खाता।bd।

क्या साधू क्या संत गृहस्थी,
क्या राजा क्या रानी,
प्रभु की पुस्तक में लिखी है,
सबकी करम कहानी,
बड़े बड़े वो जमा खर्च का,
सही हिसाब लगाता,
मेरें दाता के दरबार में,
सब लोगो का खाता।bd।

नहीं चले भाई उसके घर पे,
रिश्वत और चालाकी,
उसकी लेन देन की बन्दे,
रीति बड़ी है बाँकी,
पुण्य का बेडा पार करे वो,
पाप की नाव डूबाता,
मेरें दाता के दरबार में,
सब लोगो का खाता।bd।

बड़े बड़े कानून प्रभु के,
बड़ी बड़ी मर्यादा,
किसी को कौड़ी कम नहीं देता,
नहीं किसी को ज्यादा,
इसीलिए तो इस दुनिया का,
जगतपति कहलाता,
मेरें दाता के दरबार में,
सब लोगो का खाता।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

करता है वो न्याय सभी का,
एक आसान पर डटके,
प्रभु का न्याय कभी ना पलटे,
लाख कोई सिर पटके,
समझदार तो चुप रह जाता,
मूरख शोर मचाता,
मेरें दाता के दरबार में,
सब लोगो का खाता।bd।

अच्छी करनी करियो रे बन्दे,
काम ना करियो काला,
लाख आँख से देख रहा है,
तुझे देखने वाला,
भले करम करते रहियो,
समय गुजरता जाता,
मेरें दाता के दरबार में,
सब लोगो का खाता।bd।

मेरे दाता के दरबार में,
सब लोगो का खाता,
जो कोई जैसी करनी करता,
वैसा ही फल पाता,
मेरें दाता के दरबार में,
सब लोगो का खाता।bd।

Upload By – Lokesh Jangid

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com